शिव शंकर त्रिपुरारी | By Pooja Shrivastava

हे शिव शंकर त्रिपुरारी
प्रभु विपदा हरो हमारी
तेरे द्वार खड़ी दुखियारी
हे दया करो भण्डारी
तेरी महिमा जग में छाई

धन माल सभी पे लुटाया
शमशान में अलख जगाया
सुख तुमने सभी ठुकराए
तुम्हे योगी रूप ही भाये
तुम सा ना कोई तपधारी

एक लौटा जल जो चढ़ाये
उसे अमृत पान कराये
तुमसे वर सभी ने पाया
मेरे घर में फूल खिलाया
हंसी मुझपे दुनिया सारी

हे गौरापति कैलाशी
है बहुत दुखी तेरी दासी
जग ने मुझे बहुत रुलाया
तब पुत्र का सुख मैंने पाया
सुनी शिव ने अरज हमारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-pooja-shrivastava/